जोधपुर के मंदिरों में दर्शन के बहाने चोरी करने वाले दो युवक गिरफ्तार

पुलिस ने सात वारदातों का खुलासा किया, चांदी की चरण पादूका बरामद

जोधपुर, (कासं)। शहर की मंडोर पुलिस ने मंदिरों में दर्शन के बहाने चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले दो शातिर चोरों को पकड़ा है। आरोपियों के एक अन्य साथी की तलाश की जा रही है। पुलिस ने पकड़े गए अभियुक्तों से भगवान की चांदी की चरण पादुका को बरामद किया है।

जानकारी के अनुसार पन्नालाल गोशाला धर्मार्थ ट्रस्ट के मुन्नालाल पुत्र राजकुमार मिश्रा की तरफ से 15 अगस्त को चोरी की रिपोर्ट दी गई थी। इसमें बताया कि वे मंदिर में अभिषेक करवा रहे थे। उसी समय दो अनजान लड़के वहां दर्शन के बहाने आए थे। उनके जाने के बाद 5-7 मिनट में ही पता चला कि भगवान की चरण पादुका गायब है। तब उनके पीछे मंदिर से नीचे आया तब तक वह गौशाला के मुख्य द्वार से बाहर निकल गए। इसी तरह गोकूलजी की प्याऊ गजानन्द मन्दिर से भी चांदी का मुकुट चोरी होने का पता लगने पर केस दर्ज किया गया। पुलिस द्वारा जोधपुर शहर व आस-पास के एरिया में विगत दिनों में बढ़ रही चोरी की वारदातों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस टीम का गठन किया।

मंडोर थानाधिकारी सुरेश सारण ने बताया कि उक्त वारदातों के खुलासे के लिए आने जाने के रास्ते में पड़ने वाले स्थानों पर लगे करीब 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों का अवलोकन किया गया। तकनीकी पुलिस टीम द्वारा लगातार पुलिस

- **सह अभियुक्त की तलाश जारी, आरोपी स्मैक नशे के आदी बताये जा रहे हैं**

विभाग के आधुनिक तकनिकी संसाधानों का उपयोग करते हुए दो आरोपियों राजबाग हरिजन बस्ती, सूरसागर निवासी मनीष पुत्र रामप्रकाश और राजबाग शहीद राजाराम पार्क सूरसागर निवासी दयाल पुत्र मदनलाल को दस्तयाब कर पूछताछ किए जाने पर इन्होंने जुर्म कबूल किया।

थानाधिकारी सुरेश सारण के अनुसार आरोपी मनीष व दयाल दोनों आले दर्जे के चोर हैं। ये दोनों स्मैक तथा अन्य नशा करने के आदि हैं। कमठा मजदूरी का काम करते हैं। शहर तथा आस-पास के एरिया में चोरी की घटना को अंजाम देते हैं।

ऐसे करते हैं वारदात :-एक आरोपी मन्दिर में दर्शन के बहाने अन्दर जाता है तो दूसरा बाहर खड़ा रहकर निगरानी करता है, मौका मिलते ही मन्दिरों में रखे भगवान के सोने-चांदी के मुकुट, चरण पादुका व छत्र आदि चुराकर मोटरसाइकिल से शहर के छोटे-छोटे रास्तों के जरिये अपने निवास स्थान पहुंच जाते हैं तथा चोरी किया हुआ माल योजना पूर्वक तरीके से औने-पौने दामों में बेचकर नशा करते हैं। आरोपी बहुत शातिर व चालाक प्रवृति के हैं। घटना के दौरान अपना फोन बन्द कर देते हैं।

आरोपियों से 21 अगस्त को पुलिस थाना मंडोर में हल्का क्षेत्र गोकुल जी की प्याऊ में गजानन्द जी मन्दिर में चोरा, थाना सुरसागर के हलका क्षेत्र में बालाजी मन्दिर से चोरी, रातानाडा क्षेत्र मे रामेश्वरी भवन से दान पेटी चोरी, पुलिस थाना सुरसागर के हलका क्षेत्र में बालाजी मन्दिर से छत्र चोरी, पुलिस थाना माता का थान के हलका क्षेत्र मे महादेव/शिवजी मन्दिर से मुकुट चोरी, मसूरिया से आगे शिवजी मन्दिर से चांदी के छत्र चोरी, मंडोर क्षेत्र मे बीएसएफ के पास बालाजी मन्दिर में चांदी का छत्र चोरी की वारदातों का खुलासा हुआ है।

खाद्य सुरक्षा टीम ने प्रदेशभर में 60 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर 94 नमूने लिए

विभिन्न जिलों में 429 किलो खाद्य सामग्री नष्ट कराई

शुद्ध आहार-मिलावट पर वार अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा दलों ने प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया।

जयपुर। प्रदेश में चलाए जा रहे शुद्ध आहार-मिलावट पर वार अभियान के तहत सोमवार खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण विभाग द्वारा प्रदेशभर में सघन निरीक्षण एवं प्रवर्तन कार्रवाई की गई। त्योहारी सीजन को देखते हुए दूध, मावा, मिठाई, पनीर, घी एवं अन्य खाद्य पदार्थों की विशेष निगरानी की जा रही है।

प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़ ने कहा कि जनस्वास्थ्य से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। खाद्य पदार्थों में मिलावट एवं खाद्य सुरक्षा मानकों के उल्लंघन के विरुद्ध विभाग की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। आयुक्त डॉ. टी. शुभमंगला के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा दलों ने प्रदेशभर में 60 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर 94 नमूने लिए। इनमें 53 विधिक एवं 41 सर्विलांस नमूने शामिल हैं। नमूनों में दूध एवं दुग्ध उत्पाद, मिठाइयां, मावा, घी, खाद्य तेल, मक्खन, पनीर सहित अन्य खाद्य पदार्थ शामिल हैं।

मानव उपभोग के अयोग्य एवं दूषित पाए जाने पर विभिन्न जिलों में कुल 429 किलो खाद्य सामग्री मौके पर ही नियमानुसार नष्ट करवाई गई। इनमें 257 किलो मिठाइयां, 142 किलो मिल्क प्रोडक्ट्स, 10 किलो घी/तेल तथा 20 किलो अन्य खाद्य सामग्री शामिल है।

मिठाइयों को सवाई माधोपुर, चूरू, अलवर, कोटपूतली-बहरोड़, राजसमंद, अजमेर एवं भीलवाड़ा सहित विभिन्न जिलों में नष्ट कराया गया। वहीं मिल्क प्रोडक्ट्स भीलवाड़ा, ब्यावर, सीकर, करौली एवं अजमेर में नष्ट कराए गए।

शातिर ने फौजी बनकर एक लाख की ठगी की

जोधपुर, (कासं)। शहर के पाली रोड स्थित कृष्णा नगर में रहने वाले एक व्यक्ति से ठगी हो गई। शातिर ने उन्हें फौजी बनकर ठगा और एक लाख से ज्यादा की रकम साइबर ठगी कर ली। पीड़ित ने अपने घर का कमरा किराए पर देने के लिए ऑनलाइन मैसेज-विज्ञापन डाला था। इस बारे में अब भगत की कोठी थाने में केस दर्ज कराया गया है।

भगत की कोठी पुलिस ने बताया कि कृष्णा नगर, पाली रोड निवासी बृजमोहन की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि उसने 16 अगस्त को ऑनलाइन अपने घर का एक कमरा किराए पर देने के लिए विज्ञापन डाला था। तब 17अगस्त को किसी शातिर ने उनसे ऑनलाइन संपर्क साधा। फिर शातिर ने खुद को फौज में बताते हुए एक कमरे की मांग की साथ ही आर्मी के लिए रूल भी बताए। उसने झांसे में लेते हुए लिंक आदि भेजे। फिर शातिर ने पीड़ित बृजमोहन से एक लाख से रूपए खाते में डलवा दिए और फोन बंद कर डाला। ठगी का शिकार बने पीड़ित ने ऑनलाइन साइबर पोर्टल पर शिकायत डाली। अब भगत की कोठी पुलिस ने धोखाधड़ी एवं आईटी एक्ट में केस दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बीकानेर के पीबीएम हॉस्पिटल में डिलीवरी के बाद प्रसूता की मौत

मृतका के परिजनों ने चिकित्सकों पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया

बीकानेर, (निसं)। यहां पीबीएम अस्पताल में एक और प्रसूता की डिलीवरी के बाद तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। चूरू के सरदारशहर से प्रसव से पहले महिला को पीबीएम अस्पताल रेफर किया गया था। यहां नॉर्मल डिलीवरी के बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई। उसे पहले ट्रॉमा आईसीयू और बाद में पोस्ट कोविड आईसीयू में भर्ती किया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। परिजनों के हंगामे के बाद शव को मोर्चरी में रखवाया गया है।

सरदारशहर निवासी आनंद मीणा ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि डिलीवरी के दौरान पत्नी अनुपमा को ब्लड प्रेशर बढ़ ने और एक्लेम्पसिया की शिकायत थी। उसे 11 अगस्त को डॉ. कमलेश यादव की यूनिट में भर्ती किया गया था। महिला की नॉर्मल डिलीवरी हुई, लेकिन इसके बाद उसकी तबीयत

- **चूरू के सरदारशहर से प्रसव से पहले महिला को पीबीएम अस्पताल रेफर किया गया था, यहां नॉर्मल डिलीवरी के बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई**

लगातार बिगड़ने लगी। हालत गंभीर होने पर उसे ट्रॉमा में शिफ्ट किया गया, जहां वेंटिलेटर पर लिया गया। अधीक्षक की ओर से गठित बोर्ड की निगरानी में उसका इलाज चल रहा था। तबीयत ज्यादा बिगड़ने पर शनिवार को उसे पोस्ट कोविड आईसीयू में भेजा गया, जहां रविवार सुबह उसने दम तोड़ दिया। मृतका के परिजनों ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि 14 अगस्त को जब प्रसूता की तबीयत बिगड़ी, तब कोई सीनियर डॉक्टर मौके पर नहीं आया। परिजनों के मुताबिक, रेजीडेंट डॉक्टर्स का व्यवहार भी ठीक नहीं था। सीनियर डॉक्टर को बुलाने के लिए परिजनों ने काफी आग्रह किया, लेकिन उन्हें यह कहकर टाल दिया गया कि सब नॉर्मल है।

भाजपा नेता सुरेंद्र सिंह शेखावत ने भी मामले में गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि प्रसूता का बीपी ज्यादा होने के बावजूद उसे बीपी की दवा नहीं दी गई। जिस रात उसकी तबीयत बिगड़ी, उस समय भी कोई सीनियर डॉक्टर मौके पर नहीं आया। शेखावत का कहना है कि अगर मामले को गंभीरता से लिया जाता तो अनुपमा की तबीयत सुधर सकती थी।

विचाराधीन बंदी रूपाराम की मौत पर एफआईआर दर्ज

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट के आदेश पर जोधपुर सेंट्रल जेल में इस वर्ष फरवरी माह में पाली जिला निवासी विचाराधीन बंदी रूपाराम की हुई मौत के मामले में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ रातानाड़ा थाने में एफआईआर दर्ज हो गई है।

रूपाराम की पत्नी लीला देवी की ओर से दर्ज करवाई गई इस रिपोर्ट में आरोप लगाया गए हैं कि उसके पति की हत्या जेल प्रशासन की मिलीभगत से वहां रह रहे अन्य बंदियों ने की है। रिपोर्ट में बताया गया कि जेल से लीला देवी को दो फरवरी को कॉल आया था कि उसके पति की हार्ट अटैक से मौत हुई है। इस मामले को दायर याचिका पर हाल ही में हाईकोर्ट के न्यायाधीश फरजंद अली ने विचाराधीन बंदी रूपाराम की मौत को प्रथम दृष्टया न तो प्राकृतिक माना और न आत्महत्या। उन्होंने इस घटना की जांच के लिए 48 घंटे में एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए थे। पत्नी की ओर से दी गई रिपोर्ट में बताया गया है कि जब परिवार मोर्चरी में पहुंचा तो बॉडी पर कई जगह पर चोट के निशान थे। गर्दन के पास धारदार हथियार का भी निशान था, लेकिन तत्कालीन जेलर से लेकर सभी

- **राजस्थान हाईकोर्ट के आदेश पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज**

अधिकारी हार्ट अटैक की बात ही करते रहे। रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि न्यायिक अधिकारी ने अन्य बंदियों के बयान लेने से पहले उन्हें जेल कर्मियों ने धमकाया था।

मुआवजा और आरपीएस से जांच करने के भी निर्देश :-कोर्ट ने मामले में राज्य सरकार को उसके परिवार को 25 लाख रुपए मुआवजा देने के निर्देश दिए हैं। न्यायाधीश फरजंद अली की एकल पीठ ने अपने आदेश में कहा था कि रूपाराम की मौत जेल प्रशासन और राज्य के नियंत्रण में हुई, इसीलिए प्रशासन अपनी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष जिम्मेदारी से बच नहीं सकता। हत्या हुई या नहीं और किसी की आपराधिक जिम्मेदारी बनती है या नहीं, इसका फैसला निष्पक्ष व स्वतंत्र जांच से तय होगा। जांच आरपीएस अधिकारी को करनी होगी। इसके तहत जांच एसीपी हरजीराम को दी गई है।

अतिक्रमण पर यातायात पुलिस की सख्ती

झुंझुनूं, (निसं)। शहर की मुख्य सड़कों पर बढ़ते अतिक्रमण और अव्यवस्थित पार्किंग के खिलाफ यातायात पुलिस ने सोमवार को प्रभावी कार्रवाई की। पुलिस टीम ने रोड नंबर-1 स्थित रोडवेज बस डिपो के सामने से मंडावा मोड़ सर्किल, सुभाष मार्ग होते हुए स्वर्ण जयंती स्टेडियम तक अभियान चलाकर सड़क मार्ग को अतिक्रमण मुक्त करवाया। कार्रवाई के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 27 वाहनों के चालान किए गए। अभियान के दौरान दुकानदारों, वाहन चालकों एवं अन्य व्यवसायियों द्वारा मुख्य सड़क पर किए गए अस्थायी एवं अवैध अतिक्रमण को हटवाया गया। दुकानों के बाहर सड़क पर सामान रखकर यातायात बाधित करने वालों को समझाइश दी गई। इसके साथ ही सड़क पर बेतरतीब वाहन खड़े करने वालों को भी यातायात व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए गए। पुलिस ने सड़क मार्ग को आमजन एवं वाहन चालकों के सुगम आवागमन के लिए व्यवस्थित करवाया। कार्रवाई के दौरान वाहन चालकों को यातायात नियमों की पालना करने तथा सड़क पर अनावश्यक रूप से वाहन खड़ा नहीं करने की हिदायत दी गई।

कावड़ यात्रा निकाली

बूंदी, (निसं)। पवित्र सावन माह के अंतिम सोमवार के पावन अवसर पर ग्राम कोथ्या में एक भव्य एवं विशाल कावड़ यात्रा का आयोजन किया गया। यह धार्मिक कावड़ यात्रा मांगली नदी स्थित महादेव मंदिर से प्रारंभ होकर ग्राम कोथ्या के प्रसिद्ध ओंकारेश्वर महादेव मंदिर तक पहुंची, जहां श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। कार्यक्रम संयोजक विजय धाकड ने जानकारी देते हुए बताया कि इस कावड़ यात्रा में गांव की मातृशक्ति ने अद्भुत उत्साह दिखाते हुए बढ़-चढ़कर भाग लिया और कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना पूर्ण योगदान दिया।

ट्रेन में हुए विवाद पर आरपीएफ एसआई निलंबित, जांच टीम गठित

कोटा, (निसं)। बांद्रा टर्मिनस से बरौनी के मध्य चलने वाली अवध एक्सप्रेस ट्रेन में पैंट्रीकार मैनेजर और आरपीएफ के सब इंस्पेक्टर के बीच विवाद का मामला सामने आया है। मामला सामने आने के बाद रेलवे प्रशासन ने एक्शन लेते हुए आरपीएस के सब इंस्पेक्टर को सस्पेंड कर दिया और मामले की जांच के लिये तीन सदस्य कमेटी गठित की गई। मामले में आरपीएफ स्टॉफ पर पैंट्री कार मैनेजर से दुर्व्यवहार करने का आरोप है, वहीं पैंट्री कार मैनेजर पर अवैध रूप से यात्री एवं वेंडर्स को ले जाने के आरोप हैं।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि घटना ट्रेन नंबर 19037 बांद्रा-बरौनी अवध एक्सप्रेस की है। पूरे मामले में जूनियर स्केल लेवल

- **मामले में आरपीएफ स्टॉफ पर पैंट्री कार मैनेजर से दुर्व्यवहार करने का आरोप है**

की इंक्वारी गठित की है इसमें आईआरसीटीसी, कोटा रेल मंडल के वाणिज्य विभाग के कर्मचारी और आरपीएफ अधिकारी शामिल हैं। आरपीएफ अपने मुद्दे बता रही है, जबकि पैंट्री कार मैनेजर अपने इश्यू बता रहे हैं। इस मामले में सब इंस्पेक्टर सूरज सिंह परमार ने धक्का-मुक्की व मारपीट भी की थी जो सोशल मीडिया पर आये एक वीडियो में नजर आ रहा है। मामले में एसआई सूरज को निलंबित कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार अवध एक्सप्रेस के कोटा पहुंचने पर आरपीएस सब इंस्पेक्टर सूरज दो जवानों के साथ ट्रेन के पैंट्रीकार में पहुंचे और मैनेजर से दस्तावेज मांगे। आरपीएफ स्टॉफ ने इस दौरान ट्रेन में दो अवैध वेंडर पकड़े थे, जिनके पास वेंडर कार्ड, पुलिस वेरीफिकेशन, वेंडर सर्टिफिकेट और मेडिकल एग्जामिनेशन नहीं था। आरपीएस सब इंस्पेक्टर व पैंट्रीकार के मैनेजर के बीच विवाद हो गया। आरोप है कि पैंट्रीकार मैनेजर संदीप पांडे ने अवैध वेंडर के जरिए कोटा जंक्शन पर चेन पुलिंग भी कराई थी। इनमें एक वेंडर को कोटा जंक्शन पर उतारा था, जबकि दूसरा लाखेरी उतर गया, बाद में आरपीएफ स्टॉफ ने दोनों को कोटा पोस्ट लाकर गिरफ्तार किया गया।

दुकान में आग से 30 लाख का सामान जला

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर शहर के परशुराम चौराहा स्थित एक दूध की दुकान में सोमवार अलसुबह अचानक आग लग गई। देखते ही देखते पूरी दुकान आग की चपेट में आ गई। दुकान के भीतर रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। आग से करीब 30 लाख रुपए के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। आग की लपटें उठती देख आसपास के लोगों में अफरा तफरी मच गई। सूचना पर फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। प्राथमिक जांच में आग का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार शहर के परशुराम चौराहा स्थित एक दूध की दुकान में आज अलसुबह अचानक आग लग गई। जिम जा रहे युवक ने दी दुकानदार को सूचना घटना सोमवार सुबह 4 बजे की है। जब अचानक दुकान में आग लग गई, तभी दुकान के सामने से जिम जाने के लिए गुजर रहे एक युवक ने देखा और तुरंत इसकी सूचना दुकानदार को दी। दुकानदार ने फायर ब्रिगेड टीम को बुलाया। सुबह 5 बजे फायर ब्रिगेड टीम मौके पर पहुंची और आधे घंटे में आग पर काबू पाया गया। दुकान मालिक एकलिंगपुरा निवासी कैलाश डांगी ने बताया कि आग से दुकान का फर्नीचर, दूध और बेकरी प्रोडक्ट्स आदि जल गए। लाखों रुपए नकदी भी जल गई। करीब 30 लाख रुपए से ज्यादा का नुकसान हुआ है।

रामदेवरा मेले के श्रद्धालुओं के लिए अतिरिक्त ट्रेनें चलेगी

जोधपुर, (कासं)। रामदेवरा मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रेलवे ने अतिरिक्त ट्रेनों के संचालन की तैयारी की है। यात्री मांग को देखते हुए चार जोड़ी मेला स्पेशल ट्रेनों का चरणबद्ध तरीके से संचालन किया जाएगा। इनमें भगत की कोठी-रामदेवरा के बीच तीन जोड़ी तथा श्रीगंगानगर-पोकरण के बीच एक जोड़ी ट्रेन शामिल है।

उत्तर-पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल के सीनियर डीसीएम हितेश यादव ने बताया कि रामदेवरा के लिए पहली ट्रेन 28 अगस्त से प्रारंभ होगी। ट्रेन संख्या 04861/04862 भगत की कोठी-रामदेवरा मेला स्पेशल 28 अगस्त से 25 सितंबर तक कुल 29 ट्रिप चलेगी। ट्रेन भगत की कोठी से सुबह 9.10 बजे रवाना होकर दोपहर 1 बजे रामदेवरा पहुंचेगी। वापसी में

- **यात्री मांग को देखते हुए चार जोड़ी मेला स्पेशल ट्रेनों का चरणबद्ध तरीके से संचालन होगा**

रामदेवरा से दोपहर 2 बजे रवाना होकर शाम 5.30 बजे भगत की कोठी पहुंचेगी। इसमें 12 साधारण श्रेणी और दो गार्ड डिब्बों सहित 14 कोच होंगे। ट्रेन में सभी डिब्बे अनारक्षित होंगे। उन्होंने बताया कि यात्री मांग बढ़ने के साथ 11 सितंबर से दो और जोड़ी स्पेशल ट्रेनें संचालित होंगी। ट्रेन संख्या 04863/04864 सुबह तथा 04865/04866 शाम-रात्रि सेवा के रूप में 25 सितंबर तक 15-15 ट्रिप चलेंगी। इनका स्पेशल ट्रेनों का ठहराव जोधपुर, राईका बाग, महामंदिर, मंडोर, मारवाड़ मथानिया, तिंवरी, ओसियां, मारवाड़ लोहावट और फलोदी सहित प्रमुख स्टेशनों पर रहेगा। वहीं 12 सितंबर से श्रीगंगानगर-पोकरण स्पेशल भी शुरू होगी। ट्रेन संख्या 04741/04742 का संचालन 26 सितंबर तक कुल 15 ट्रिप किया जाएगा। ट्रेन श्रीगंगानगर से सुबह 10.15 बजे रवाना होकर शाम 7.50 बजे पोकरण पहुंचेगी। वापसी में पोकरण से रात 8.45 बजे चलकर अगले दिन सुबह 7.50 बजे श्रीगंगानगर पहुंचेगी। इस ट्रेन में 15 साधारण श्रेणी और दो गार्ड डिब्बों सहित 17 कोच होंगे। रेलवे की ओर से यात्री मांग के अनुरूप चरणबद्ध संचालन की यह व्यवस्था मेले के दौरान श्रद्धालुओं को अतिरिक्त यात्रा विकल्प उपलब्ध कराने के साथ नियमित ट्रेनों में यात्री दबाव को संतुलित करने में मदद करेगी।

झुंझुनूं के टांई गांव में कीचड़-पानी के बीच श्मशान तक ट्रैक्टर-ट्रॉली में ले जाना पड़ा शव

बिसाऊ/टांई, (निसं)। झुंझुनूं जिले के बिसाऊ क्षेत्र के टांई गांव में सरकारी दावों और जमीनी हकीकत के बीच का अंतर एक बार फिर सामने आया है। श्मशान घाट तक जाने वाले मुख्य रास्ते पर वर्षों से भरे गंदे पानी और कीचड़ के कारण रविवार को एक परिवार को अपने परिजन की अंतिम यात्रा भी बेहद मुश्किल हालात में निकालनी पड़ी। रास्ता इतना खराब था कि ग्रामीणों को अर्थी को ट्रैक्टर-ट्रॉली में रखकर घुटनों तक भरे गंदे पानी और कीचड़ के बीच से श्मशान घाट तक ले जाना पड़ा। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो और तस्वीरें भी सामने आई हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि यह समस्या आज की नहीं, बल्कि करीब 11 साल से चली आ रही है। श्मशान घाट तक जाने वाला मुख्य रास्ता लंबे समय से गंदे पानी से लबालब रहता है। बारिश के दिनों में स्थिति और भी विकट हो जाती है। पैदल निकलना तक मुश्किल हो जाता है। इसके बावजूद जिम्मेदार विभाग समस्या का स्थायी समाधान नहीं कर पाए हैं। रविवार को टांई निवासी सोनिया पत्नी देवकरण स्वामी का निधन हो गया। परिवार और ग्रामीण जब अंतिम संस्कार के लिए मोक्षधाम की ओर निकले तो रास्ते में गंदा पानी और कीचड़ जमा था। ऐसे में मजबूर होकर ग्रामीणों ने अर्थी को

मृतक के परिजन और ग्रामीण अर्थी को ट्रैक्टर-ट्रॉली में रखकर गंदे पानी में से श्मशान घाट तक ले गये।

ट्रैक्टर-ट्रॉली में रखा और पानी व कीचड़ से भरे रास्ते से होकर श्मशान घाट तक पहुंचाया। इस दृश्य ने ग्रामीणों में प्रशासन के प्रति नाराजगी बढ़ा दी।

ग्रामीणों ने बताया कि 9 जून को जिला कलेक्टर से मिलकर समस्या के स्थायी समाधान की मांग की गई थी। उस समय अधिकारियों की ओर से 15 दिन के भीतर समस्या का स्थायी समाधान कराने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन दो महीने से अधिक समय बीत जाने के बावजूद स्थिति जस की तस बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि वे प्रभारी मंत्री से लेकर पंचायत स्तर तक कई बार गुहार लगा चुके हैं, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ।

ग्रामीण सोनू उपाध्याय, कृष्ण भार्गव, शंभू जोशी, वीरेंद्र तंवर समेत अन्य लोगों ने बताया कि गांव में पानी निकासी की समस्या करीब 11 साल पुरानी है। पंचायत की ओर से लाखों रूपए खर्च कर नाला बनवाया गया था, लेकिन निर्माण कार्य की गुणवत्ता और तकनीकी खामियों के कारण नाला जाम हो गया। पानी की निकासी नहीं होने से गंदा पानी सड़क पर जमा रहता है और लगातार सड़ांध मारने से आसपास के लोगों का रहना और रास्ते से निकलना मुश्किल हो गया है।

ग्राम विकास अधिकारी उम्मेद सिंह ने बताया कि 11 जून को नाले से गाद-कीचड़ हटाने और चैंबर निर्माण के लिए पीडब्ल्यूडी से एनओसी मांगी गई थी, लेकिन अभी तक अनुमति नहीं मिली है। पंचायत ने कार्य के लिए 6 लाख रूपए की स्वीकृति जारी कर रखी है। एनओसी नहीं मिलने के कारण काम अटका हुआ है।

- **श्मशान घाट तक जाने वाले मुख्य रास्ते पर वर्षों से भरे गंदे पानी और कीचड़ से आमजन परेशान**
- **जिला कलैक्टर के 15 दिन के आश्वासन को बीते दो महीने, फिर भी समस्या का नहीं हुआ समाधान**

ग्रामीणों का कहना है कि जब किसी व्यक्ति की अंतिम यात्रा तक निकालने के लिए सड़क की जगह कीचड़ और गंदे पानी से गुजरना पड़े तो विकास के दावों पर सवाल उठना स्वाभाविक है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि नाले की सफाई, पानी की निकासी और श्मशान घाट तक जाने वाले रास्ते का स्थायी समाधान तत्काल कराया जाए, ताकि भविष्य में किसी परिवार को अपने परिजन की अंतिम विदाई इस तरह मजबूरी में न देनी पड़े।

प्रिंसिपल निलंबित

बीकानेर, (निसं)। छात्राओं के साथ बांध में नहाने का वीडियो वायरल होने के मामले में शिक्षा विभाग ने जिले के एक स्कूल प्रिंसिपल को निलंबित कर दिया। विभाग ने प्रिंसिपल का कृत्य नैतिक आचरण व लोकसेवक आचरण संहिता के विपरीत माना है। साथ ही विभागीय जांच शुरू कर दी गई है। 15 अगस्त को प्रिंसिपल कक्षा 9 से 12 तक के करीब 200 छात्र-छात्राओं को बिना सक्षम अनुमति स्कूल से करीब दो किमी दूर बांध पर ले गए। यहां पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम के बिना बच्चों को पानी में उतारा गया। इसी दौरान कुछ छात्रों ने प्रिंसिपल के छात्राओं के साथ बांध में नहाने का वीडियो बनाया लिया, जो शनिवार को वायरल हो गया। वीडियो सामने आने के बाद ग्रामीणों व अभिभावकों ने प्रिंसिपल के खिलाफ स्कूल के बाहर प्रदर्शन किया। मामला शिक्षा विभाग तक पहुंचने पर तत्काल कार्रवाई की गई। डीईओ माध्यमिक को प्रकरण से जुड़े सभी तथ्यों की जांच कर तीन दिन में रिपोर्ट देने के निर्देश दिए गए हैं।

टोंक क्षैत्र के कुंड में डूबने से अधेड़ की मौत

टोंक, (निसं)। लाम्बाहरिसिंह थाना क्षैत्र के हरिसागर कुंड के बालाजी घाट पर शनिवार देर शाम को नहाते समय पैर फिसलने से भंवरलाल गुर्जर (40) गहरे पानी में चला गया, जहां वह गहरे पानी में डूब गया, जहां उसकी मौत हो गई।

परिजनों से प्राप्त जानकारी के अनुसार भंवरलाल शनिवार को दिनभर खेत पर ट्रैक्टर से हंकाई करके घर लौटा था। शाम को वह नहाने कुंड के घाट पर चला गया। जब काफी देर बाद वह घर नहीं लौटा तो भतीजा कौशल उसे ढूंढते हुए कुंड पर पहुंचा, जहां बालाजी घाट पर भंवरलाल की बाइक मिली तथा घाट पर सूखते कपड़े मिले। जिसके बाद परिजनों ने उसकी तलाश की लेकिन आस-पास नहीं मिलने के बाद कुंड में डूबने की आशंका हुई। परिजनों ने पुलिस को सूचना देकर मौके पर बुलाया जिसके बाद मौके पर सूचना फैलने से ग्रामीणों का जमावड़ा हो गया। जिसके बाद स्थानीय गोताखोरों बुलाकर रात्रि में जनरेटर से रोशनी की व्यवस्था कर तलाश कार्य किया गया। जहां मौके पर नगर पालिका ईओ तुलसी देवी चौधरी व नायब तहसीलदार हंसराज चौधरी एवं लाम्बाहरिसिंह थानाधिकारी घीसा लाल मीणा भी पहुंचे। बाद में रविवार को एसडीआरएफ टीम ने तलाश शुरू कर दोपहर तक तलाश कर शव को गहरे पानी से बाहर निकाल लिया। जिसके बाद शव का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाम्बाहरिसिंह में पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया।

- **नहाते समय पैर फिसलने से गहरे पानी में चला गया था**